प्राचीन प्रकार की निबन्धात्मक परीक्षा-प्रणाली की सभी शिक्षक आलोचना करते हैं, क्योंकि यह देश के शैक्षिक विकास में बाधक है। पुरानी निबन्धात्मक परीक्षा में छात्रों को प्रश्नों का उत्तर देने में अधिक लिखना पड़ता है। कुछ छात्र जो विषय को चाहे भली-भाँति न जानते हों, यदि उनके विचार प्रकट करने की शक्ति अच्छी हुई तो उन छात्रों की अपेक्षा अधिक अंक पा जाते हैं जो विषय को पूर्णत: जानते हुए भी अपने विचार प्रकट नहीं कर पाते हैं। छात्रों के हस्तलेख का प्रभाव उनकी परीक्षा के अंकों पर सदैव पड़ता है जिससे कभी-कभी विषय-वस्तु की परीक्षा की अवहेलना कर दी जाती है। इस प्रकार की परीक्षा में प्रश्न इतने कम होते हैं कि पूरे पाठ्यक्रम में से प्रश्न पूछना असम्भव हो जाता है। कभी-कभी छात्र व्यक्तिगत कारणों से अधिक अंक पा जाते हैं, शिक्षक द्वारा प्रत्याशित उत्तर लिखने पर छात्रों को वह अधिक अंक दे देता है।

परीक्षा-प्रणाली में बिना परिवर्तन किये हुए शिक्षा-स्तर में सुधार होना सम्भव नहीं है। प्राचीन निबन्धात्मक प्रणाली को पूर्णतया नहीं हटाया जा सकता, परन्तु उसमें सुधार की अत्यन्त आवश्यकता है। वर्तमान काल में ऐसी नये प्रकार की परीक्षा-प्रणाली तथा उसमें पूछे गये प्रश्नों पर अधिक जोर दिया जाता है, जिसमें अंक देने में निष्पक्षता हो, व्यक्तिगत कारणों का अंकों पर प्रभाव न पड़े तथा प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से सम्बन्धित हों और छात्रों की विचार-शक्ति को प्रोत्साहित करे। केवल स्मरण-शक्ति पर आधारित किये गये उत्तरों को अधिक महत्त्व नहीं दिया जाना चाहिए। बाह्य तथा अन्त: परीक्षा में इस प्रकार की परीक्षा-प्रणालियों को अधिक महत्त्व दिया जाय। प्राचीन निबन्धात्मक परीक्षा के साथ-साथ नवीन परीक्षा पद्धतियों का मिश्रण आवश्यक है।

भूगोल के अध्यापक अब तक छात्रों की स्मरण-शक्ति पर अधिक बल देते रहे हैं, क्योंकि शिक्षकों तथा छात्रों द्वारा बाह्य परीक्षा की आवश्यकता से अधिक महत्त्व दिया गया है, यहाँ तक कि छात्र परीक्षा से भयभीत हो रहे हैं और उच्च शिक्षा-अधिकारियों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम समाप्त करना शिक्षक का मुख्य ध्येय रहा है। शिक्षक की कुशलता भौगोलिक तथ्यों को रटा देने में ही रही है। परीक्षा समाप्ति के बाद अधिकांश बातों को छात्र स्वाभाविक रूप से भूलते रहे हैं। शिक्षकों का कर्त्तव्य है कि छात्रों के भौगोलिक ज्ञान को स्थायी बनाने का प्रयत्न करें जिससे वे उसका उपयोग भावी जीवन में कर सकें।

आधुनिक परीक्षा-प्रणाली में छात्रों के समक्ष भौगोलिक समस्याएँ रखी जाती हैं। उनको एटलस, पाठ्य-पुस्तकें तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपयोग करने की अनुमति दे दी जाती

Scanned with CamScanner

है। इस सामग्री के आधार पर वे उन समस्याओं का हल ज्ञात करते हैं। इस परीक्षा-प्रणाली द्वारा छात्रों के ज्ञान तथा कार्य करने की पद्धति की जाँच की जा सकती है।

भौगोलिक ज्ञान परीक्षाओं के लिए कुछ आदर्श पद्धतियाँ नीचे दी जा रही हैं—

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति (Completion Test)

निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति सही भौगोलिक बात भरकर करो—

(1) संसार के देशों में सबसे अधिक कहवा ..... में पैदा होता है।

(2) संसार की सबसे ऊँची पर्वत श्रेणी का नाम ..... है।

(3) 21 जून को सूर्य ..... रेखा पर सीधा पड़ता है।

(ब) अनेक उत्तरों में सही उत्तर का निर्णय (Multiple-choice Test)

निम्नलिखित कथनों के सम्मुख कई एक कारण दिये गये हैं। प्रत्येक कथन के लिए जो सबसे महत्त्वपूर्ण कारण हो, उसके सामने सही का निशान लगाओ—

(सही उत्तर का निर्णय)

लंकाशायर सूती कपड़े बनाने के उद्योग का केन्द्र है, क्योंकि—

(1) वहाँ के लोग कपड़ा बनाने में कुशल हैं।

(2) वहाँ की जलवायु इस उद्योग के लिए उपयुक्त है।

(3) वहाँ पर इस उद्योग के लिए सस्ते मजदूर मिल जाते हैं।

पम्पास गेहूँ की उत्पत्ति के लिए उपयुक्त है, क्योंकि—

(1) वहाँ के लोग गेहूँ की रोटी खाते हैं।

(2) भूमि समतल है।

(3) वहाँ मक्का उत्पन्न नहीं होती।

(4) वहाँ बहुत-सी मुर्गियाँ पाली जाती हैं।

(5) ओट की पैदावार के लिए वह बहुत नम है।

मध्य चिली के निवासी अंगूर की बेल उत्पन्न करते हैं, क्योंकि—

(1) वे अंगूर पसन्द करते हैं।

(2) शराब की वहाँ कमी है।

(3) अंगूर वहाँ गर्मी में पकते हैं।

(4) वहाँ तेज हवा नहीं चलती है।

(5) वहाँ भूमध्यसागरीय जलवायु पायी जाती है।

अमेजन प्रदेश में वृक्ष लम्बे होते हैं, क्योंकि—

(1) वहाँ के वृक्ष आपस में सूर्य का प्रकाश पाने की होड़ लगाते हैं।

(2) वहाँ की भूमि बहुत उपजाऊ है।

(3) भूमि नम रहती है।

(4) वृक्ष सदैव हरे-भरे रहते हैं।

(5) वहाँ कभी कुहरा नहीं पड़ता है।

Scanned with CamScanner

इटली बाहर से बहुत कोयला मँगाता है, क्योंकि—

(1) उत्तरी इटली के मैदान में स्थित रेशम के उद्योग के लिए अधिक कोयले की आवश्यकता होती है।

(2) इटली के कोयले की खानें केवल एन्थ्रेसाइट कोयला उत्पन्न करती हैं।

(3) इटली में कोयले की खानें नहीं हैं।

(4) उत्तरी इटली में महाद्वीपीय जलवायु है, जिससे जाड़ों में अत्यन्त ठण्ड होती है।

(5) कोयला समुद्र द्वारा आयात होता है, क्योंकि समुद्री आवागमन सस्ता होता है।

(स) दिये हुए विवरण में से कौन-सा सच तथा झूठ है (True-False Test)

सच-झूठ निर्णायक—निम्न कथनों में सम्मुख दिये गये सच-झूठ में से जो उचित न हो, उसे काट दो—

(1) मुम्बई की अपेक्षा दिल्ली में अधिक वर्षा होती है। (सच/झूठ)

(2) अधिकांश उत्तरी भारत मैदानी है। (सच/झूठ)

(3) आसाम की अपेक्षा बंगाल में अधिक चाय होती है। (सच/झूठ)

(4) बंगाल के अधिकतर कारखाने कोयले का उपयोग करते हैं। (सच/झूठ)

(द) तथ्य ज्ञानात्मक (Factual Test)

(1) निम्नलिखित नामों में से हर एक के सामने 5 पैदावारों के नाम लिखे हैं। उन नामों के सामने की उपज को बताइये जो संसार में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है—

(अ) अमेजन बेसिन—गेहूँ, रबर, चाय, कपास, सेव।

(ब) मिस्र—कोको, चावल, कपास, चाय, गेहूँ।

(स) पम्पास—अंगूर की बेलें, पशु-धन, आलू, सन्तरे, सूअर।

(द) अटाकामा रेगिस्तान—ऊँट, शोरा, चाँदी, टिन, छुआरे।

(य) पैटोगोनिया—जौ, भेड़, पशु, फल, कपास।

(2) निम्नलिखित व्यवसायों के सम्मुख दिये गये स्थानों की तालिका में से उस स्थान को रेखांकित करो जो उस व्यवसाय के लिए सबसे अधिक प्रसिद्ध हो—

(अ) सूती वस्त्र—कानपुर, कोलकाता, नागपुर, अहमदाबाद।

(ब) उत्तर प्रदेश, बंगाल, बिहार, चेन्नई।

नवीन प्रश्न

निम्नांकित कुछ नवीन प्रकार के प्रश्न हैं। छात्राध्यापक स्वयं यह निर्णय करें कि इस प्रकार के प्रश्नों को नवीन परीक्षा-प्रणाली में कहाँ तक सम्मिलित किया जा सकता है—

(1) नम तथा दलदली भूमि तापमान को कम करती है। (सत्य/असत्य)

(2) भूमि तथा अच्छा बहाव जलवायु को ठण्डा करते हैं। (सत्य/असत्य)

(3) किसी स्थान का औसत तापमान—

(अ) उच्च स्थान पर होने के कारण बढ़ता है।

(ब) विषुवत् रेखा के निकट होने से बढ़ता है।

(स) समुद्र-तल से अधिक ऊँचाई पर होने से घटता है। (सत्य/असत्य)

उपर्युक्त वाक्यों में से सत्य उत्तर ज्ञात कीजिए।

दूसरे प्रकार के प्रश्न

रिक्त स्थान में सबसे अधिक सही और अच्छा उत्तर लिखिये—

जापान के निवासी पोशाक का अधिक उपयोग करते हैं, क्योंकि—

Scanned with CamScanner

(अ) वे धार्मिक होते हैं।

(ब) वे शहतूत के वृक्ष अधिक उत्पन्न करते हैं।

(स) वे कम मूल्य पर चीन से रेशम आयात कर लेते हैं।

(द) जापान में बहुत-से रेशम के कारखाने तथा मिल हैं।

तृतीय प्रकार के प्रश्न

नीचे कुछ राज्यों के नाम दिये हैं। प्रत्येक राज्य में निम्न चार प्रकार की विद्युत में से किस प्रकार की विद्युत उत्पन्न की गयी है ? खाली स्थान पर प्रत्येक राज्य के सामने सही उत्तर लिख दीजिए—

H—If it is mainly Hudro-electric.

T—If it is mainly Thermal.

L—If it is largely Hydro-electric but in a limited way Thermal.

P—If it is largely Hydro-electric but in a good measure Thermal also.

1. आन्ध्र प्रदेश	.....	2. आसाम	.....
3. पश्चिमी बंगाल	.....	4. बिहार	.....
5. मुम्बई	.....	6. मध्य प्रदेश	.....
7. चेन्नई	.....	8. पंजाब	.....
9. मैसूर	.....	10. केरल	.....

Scanned with CamScanner